STRUCTURAL FUNCTIONALISM

Compiled by
Dr. S. Mehdi A. Zaidi
(Sociology), SHIA. PG. College.

Main Points

① Generally यह कहा जाता है कि Economic विचारधारा ने Sociology के सिद्धान्तों और विचारधारा को प्रभावित किया

② Man is a rational animal यह Economists भी स्वीकारते हैं। और

③ Economists says that man tries to maximize their gains and minimize their Losses.

④ अधिकांश लोग Social life को एक Market के रूप में देखते आये हैं।

⑤ जहाँ लोग अपनी क्षमताओं (Qualities) तथा मनोलाभ (Psycho profit) के लिये खरीदते और बेचते हैं।

⑥ यह सामा० जीवन (Social life) एक उपयोगितावादी विचारधारा है।

⑦ Utilitarian views के अनुसार Actor अपनी अधिक से अधिक Satisfaction चाहता है।

⑧ इस उपयोगितावादी विचारधारा के प्रबल पोषक Adam Smith थे।

⑨ इस (Utilitarian) narrow विचारधारा के प्रतिक्रिया स्वरूप ही Functionalism का जन्म हुआ था।

⑩ Structural Functionalism को समझने के लिये इन को अलग करके समझना आवश्यक है।

⑪ संरचना से तात्पर्य किसी ऐसी सम्पूर्णता से है जिसका निर्माण अनेक इकाईयों से मिलकर होता है।

⑫ इन Units की निश्चित स्थितियाँ (Statuses) और प्रकार्य होते हैं

⑬ यह units एक दूसरे से सम्बन्धित होती हैं (For Further detail see Page no 3)

Scanned with CamScanner

(14) इन इकाईयों का अलग 2 कार्य होता है जिसके आधार पर वे एक दूसरे से तथा सम्पूर्णता से जुड़ी रहती है।

(15) Society is also biological System जिसका निर्माण व्यक्तियों, समूहों, विभिन्न संस्थाओं, समूहों, समुदायों, आदि से मिलकर हुआ है।

(16) इन सभी में प्रकार्यात्मक (Functional) सम्बन्ध होता है।

(17) इसी के आधार समाज एक व्यवस्थित प्रतिमान के रूप में निरन्तर क्रियाशील रहता है।

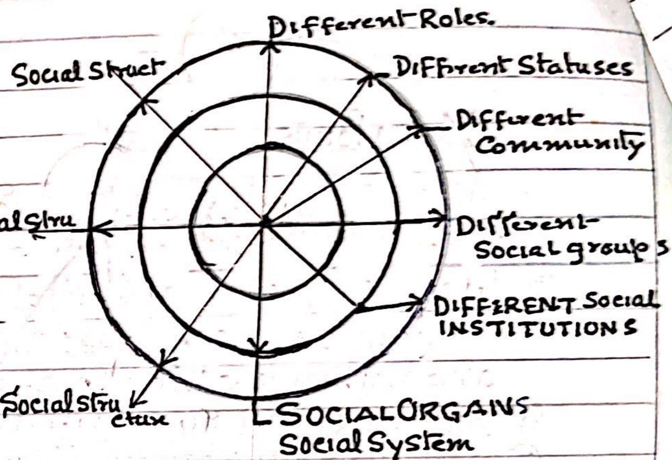

FIG NO1

(18) इस प्रकार SOCIAL STRUCTUR भी social units के स्थायी तथा प्रतिमानित (Patterened) पारस्परिक सम्बन्धों की व्यवस्था है।

(19) COSER — ने कहा "संरचना अपेक्षाकृत स्थायी प्रतिमानों की व्यवस्था है।"

(20) किसी भी सामा० समूह में Statuses & Roles की क्रमबद्ध व्यवस्था को ही संरचना के नाम से जाना जाता है।

(21) **What IS FUNCTION?** प्रकार्य का अर्थ संरचना की विभिन्न इकाईयों की उन भूमिकाओं से है, जिन के द्वारा सावयव (ORGAN) का अस्तित्व बना रहता है। Structure की प्रत्येक इकाई क्रियाशीलता के लिये और उस की निरन्तरता के लिये आवश्यक होती है।

(22) Organ का अस्तित्व विभिन्न परिस्थितियों में सफल अनुकूलन पर निर्भर करता है।

(23) जिस प्रकार शरीर का प्रत्येक अंग शारीरिक अस्तित्व के लिये कई भूमिकाएं अदा करता है उसी प्रकार सामा० शरीर भी निश्चित कार्यों के लिये द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता करते हैं।

Scanned with CamScanner

(24) Martindal के अनुसार Function (प्रकार्य) शब्द का प्रयोग चार अर्थों में किया जाता है।

Ⓐ Function is a mathematical variables जिसके मूल्यांकन अन्य variables के द्वारा होता है।

Ⓑ Function एक उपयोगी क्रिया है और कभी-2 इसे सिर्फ क्रिया के अर्थ में प्रयोग किया जाता है।

Ⓒ Function एक उपयुक्त क्रिया है।

Ⓓ Function व्यवस्था के द्वारा निर्धारित और व्यवस्था को स्थापना में सहायक क्रिया है।

(25) पहले गणितीय (Mathematical) अर्थ में प्रकार्य का प्रयोग Sociology में नहीं होता है।

GERTH & MILLS – defines Social Structure in terms of institutional orders & ~~Steps~~ Spheres."

The unit and Composition of a Social Structure are determined by the precise weight which each institutional order and Sphere has with reference to every other order and the ways in which they are related to one another.

The role, which is the primary Link between the character structure and the Social Struct ure...

For example a family is not made up by man & woman but by man and wife who assume institutionalized roles.

CHARACTER STRUCTURE

Person

||

Role

||

INSTITUTION

SOCIAL STRUCTURE

Fig no 2.

Note (यह Fig तथा description Page no 1 में जोड़ा जाये) Gerth & Mills (Character & Structure)

CHARACTERISTICS OF STRUCTURAL FUNCTION

अनेक Sociologists की सहमत के बाद यह निर्णय लिया गया कि Structural Functionalism की प्रमुख विशेषतायें यह हैं।

① **Mechanical System:-** इस उपागम के अन्तर्गत व्यवस्था (System) यन्त्रवत कार्य करती रहती है। जिस प्रकार किसी यन्त्र या मशीनरी में खराबी आ जाने से सम्पूर्ण मशीनरी असन्तुलित हो जाती है उसी प्रकार समाज को Mechanical Social System मान कर अध्ययन किया जाना चाहिये।

② **Process:-** इस उपागम (Approach) में निरन्तरता की प्रक्रिया का पाया जाना आवश्यक है। जैसे समाज में Family का अस्तित्व सदा बना रहता है भले उस के मुखिया का देहान्त क्यों न हो जाये पर परिवार मरता नहीं है मुखिया बदल जाता है। यानी समाज की या परिवार की Unit परिवर्तित होती रहती है।

③ **Equilibrium:-** किसी भी व्यवस्था की संरचना की आवश्यकता और संरचना की निर्माणक इकाईयों (Organizational Units) के कार्य में निरन्तर सामंजस्य पाई जाती है। जिस से व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहती है।

④ **NORMS:-** व्यवस्था को ज्यों का त्यों बनाये रखने के लिये कुछ प्रतिमानों का पाया जाना आवश्यक होता है। यह प्रतिमान समाज के व्यक्तियों के द्वारा ही बनाये जाते हैं। यह व्यवस्था को Input & Output प्रदान करते हैं।

⑤ **INDIVIDUAL:-** इस उपागम के अन्तर्गत व्यक्ति को भी महत्व दिया जाता है क्यों कि उन को समाज या व्यवस्था के निर्माण की इकाई माना गया है लेकिन इस (व्यक्ति) को मूल आधार नहीं माना जा सकता है। इस पर प्रकाश डालते हुये

*. MELINOWSKI ने कहा है कि व्यक्ति को महत्वता दी जानी चाहिये

Scanned with CamScanner

तो व्यक्ति की मृत्यु के बाद समाज या व्यवस्था को समाप्त हो जाना चाहिये। लेकिन इस के बावजूद समाज या व्यवस्था बनी रहती है और उस व्यक्ति की जगह नया व्यक्ति आ जाता है

(6) Structure is Statics and Functions are dynamics.

(7) Functions are main for subject matter of study.

CHIEF THINKERS OF STRUCTURAL FUNCTIONALISM

Main Thinkers are :–

1. Auguste Comte (Organic Functionalism)
2. Herbert Spencer (Analytical Functionalism)
3. Emile Durkheim (Functional analysis of Social Facts)
4. T. PARSONS (Functional Pre-Requisites) (Analytical Functionalism)
5. V. Pareto. (Analysis of society & Functional Instincts)
6. Robert Merton (Codification of Functional Analysis)

ANALYTICAL FUNCTIONALISM OF TALCOTT PARSON

Parsons का योगदान Analytical Functionalism के नाम से जाना जाता है। आपने समाज को एक क्रिया व्यवस्था के रूप में माना है। यह क्रिया व्यवस्था विभिन्न अंगो से मिलकर बनती है इस लिये हमे सर्व प्रथम सामा० व्यवस्था की उन निर्माणक इकाईयो की ओर उन्मुख होना चाहिये जो व्यवस्था के अधिकांश सदस्यो की कम से कम Biological और Socio Psycho आवश्यकताओ की आपूर्ति करते है। क्यो कि इन

तत्वों की क्रियाशीलता में ही सामा० व्यवस्था (Social System) की क्रियाशीलता निहित होती है। दूसरे शब्दों में हम यह भी कह सकते हैं कि किसी भी सामा० व्यवस्था की क्रियाशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उस की Constructive Units एक प्रभावशाली मात्रा में अपने 2 सामा० कार्यों अथवा भूमिकाओं का अनिवार्य और निश्चित रूप से निर्वाह करें।

Parsons ने समाज की रचना के चार प्रमुख आधार बताए हैं।

(A) Personality System.
(B) Cultural System.
(C) Social System.
(d) Biological System.

इन चार तत्वों के व्यवस्थित और प्रकार्यात्मक संयोग का नाम ही "Society" है। इन तत्वों के Specific Function होते हैं। जिन का सम्बन्ध ज्ञानात्मक/उद्देश्यात्मक/और रागात्मक तत्वों से होता है।

Parsons के मतानुसार सामा० व्यवस्था के विभिन्न तत्व मनुष्य की Biological, Mental आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता प्रदान करते हैं। समाज के विभिन्न तत्व जब प्रभावपूर्ण ढंग से अपनी सामा० भूमिकाओं को पूर्ण करते हैं तो समाज में सन्तुलन और व्यवस्था बनी रहती है। संस्थायें और संस्तरण या संस्थाकरण (Institutionalization) और विभेदीकरण दो प्रमुख तत्व सामा० प्रकार्यों (Social Functions) को पूर्ण करते हैं।

Parsons के Analytical Functionalism में मनुष्य की Biological needs को भी स्थान दिया गया है और संस्थाएं इन आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। प्रत्येक सामा० व्यवस्था में मनुष्यों की

आवश्यकताओं को प्रकार्यात्मक आवश्यकताएं कहा जाता है (Functional requisites) समाज सन्तुलन और व्यवस्था रखने के लिये सदस्यों को स्वीकृत आदर्शों के अनुकूल चलने की प्रेरणा देने वाला एक आदर्शात्मक प्रतिमान (Normative pattern) भी प्रत्येक समाज में होता है। आवश्यकता पूर्ति और नियन्त्रण के साधन समाज के लिये Functional होते हैं। अतः Parsons कहते हैं कि Analytical Function सामा० व्यवस्था की Absence में कोई अर्थ नहीं रखता है।

प्रकार्यात्मक विश्लेषणों में उन सभी Facts, Process और Conditions की व्याख्या होनी चाहिये जिन का योगदान मानव व्यवहारों और सामा० संगठन को प्रभावित करने में होता है और इसके लिये Situation भी आवश्यक होती है। Parsons का कहना है कि प्रकार्यात्मक सिद्धान्त में Biological need, Situations, Motivations, Goals, Institutions और Statuses & Roles को विशेष रूप से शामिल किया जाता है।

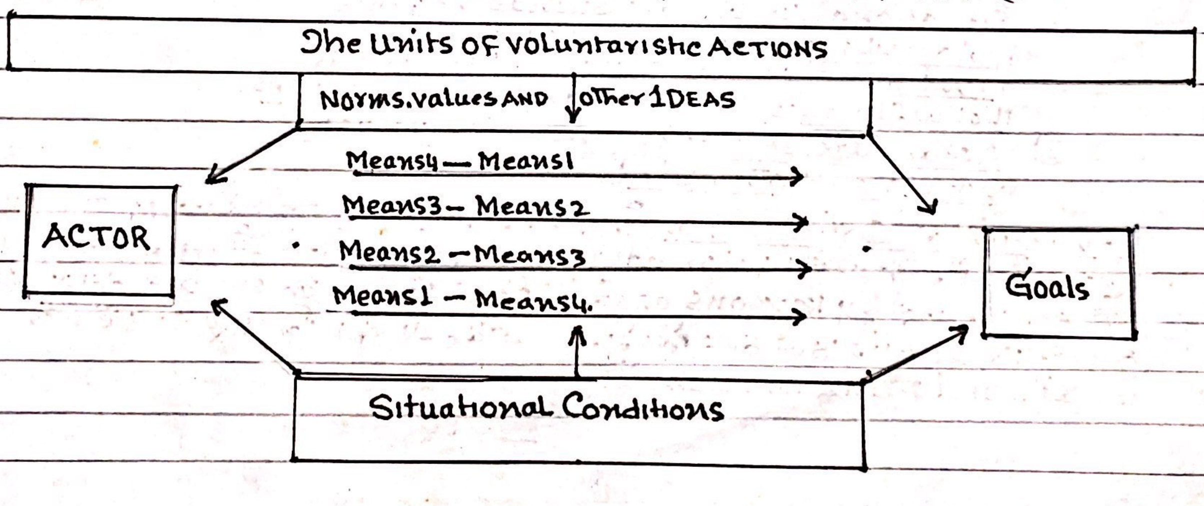

Parsons began to Construct a functional Theory of Social organization. In this initial formulation, he Conceptualizes Voluntarism as a Subjective decision making Process of Individual actors but he views Such decisions as the partial out come of Certain kinds of Constraints both normative and Situational. Voluntaristic action therefore involves these basic elements;-

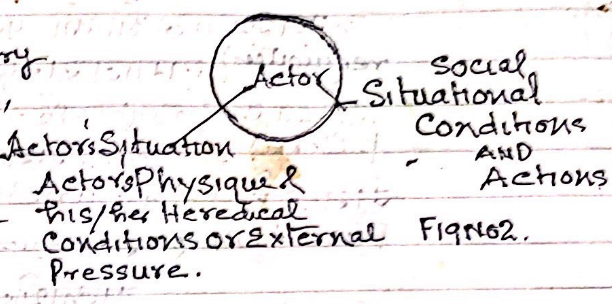

Fig No 2.

(A) Actor who, at this point is Individual or person
(B) Actors are viewed as Goal Seeking
(C) Actors are also in possession of alternative means to achieve the goals.
(d) Actors are Confronted with a variety of Situational Conditions Such as their own biological make up and heredity as well as various external ecological Constraints that influences the selection of goals & means.
(E) Actors are seen to be governed by values norms and other ideas.

Structure of Social action के अन्त मे Parsons एक बुनियादी प्रश्न अपने सामने रखता है और कहते है 'Actor की यह सब गतिविधियाँ जो प्रयकर है Functionalism को कैसे बनाती है'। Parsons कहते हैं कि Actors के यह सब कार्य एक व्यवस्था को बनाते है। और इस तरह विभिन्न व्यक्तियो की क्रियाऐं System के साथ जुड जाती है। और यही Functionalism है।

—x—

Scanned with CamScanner